Unique Paper Code: **22411501**

Name of the Paper: **Principles of Marketing**

Name of the Course: **B.Com (Hons.), CBCS**

Semester: **V**

Duration: **3 hours**

Maximum Marks: **75 Marks**

विद्मार्थिमं ो केलरए ननदेश

- ककनहीं ऩाॉच प्र्शनं ो केउ्ततय दहजजए।
- सबी प्र्शनं ो केसभान अ ॊक है।
- इस प्र्शननर्त के उ्ततय अ ॊग्रेजी मा हहनदह ककसी बी भा्धमभ भ ेंहदए जा सकते ह ैरे ककन ्धमान यहेकक सबी प्र्शनं ो केउ्ततय का भा्धमभ एक हह होना चाहहए।

.प्र.1 आगया भ ेंएक गजयह होटर फनामा गमा था जो दिाा कयता है कक उसकेहोटर के हय कभयेसे ताज का नजाया (्वम ्हूदखता है (। होटर उ्दमोग के एक विऩणन र्पफोधक के रूऩ भ ेंइस तयह की अन ्ठूी बफकर्ी र्पिाूिारोकन को विकलसत कयते सभम आऩ कौन से भाक्रेहटॊग लभ्कस चयं ो को अऩने ्धमान भ ेंयखंगे?

.प्र.2 भहाभायह केफाद इमम ्ुनटह फढ़ाने केप्रनत गर्पहकं ो की फढ़ती ्चौ ता एक कॊ ऩनी को इममन्ुनटह फ्ूटय 'बफ्सकु' औय 'फाय' र्पिेश कयनेके लरए र्पेरयत कयती है । इस उ्तऩाद को फाजाय भ ेंर्पिेश कयने के लरए उ्तऩाद ्सथनत केउऩम ुक्त आधायं ो का सझ्ुाि दं?

.प्र.3 टेरहविजन उ्दमोग भ ें भसोंग औय एरजी जैसी फड़ी हद्गगज कॊ ऩननमाॉ ओएरइडी क्मएूरइडी, 8के र्पदिचय ्किालरटह टेक्नोरॉजी के साथ फाजाय भ ें उतयह ह ैंताकक फाजाय भ ेंहह्सेदायह फनाए यखने के लरए भौज ्दू उ्तऩाद की विशे षताओं को फढ़ामा जा सके क्मं ोकक इनभ ेंअधधकाॊश उ्तऩाद, उ्तऩाद की जीिन चर्क ऩरयऩक्िता अि्सथा भ ें ह ैं। उऩम ुक्त आये ख की सहामता से उ्तऩाद जीिन चर्क के कई चयणं ो के दौयान विऩणक दिाया उऩमोग की जा सकने िारह अिधायणा औय विऩणन यणनीनतमं ो की चचाा कयं ।

.प्र.4 एक पभा के भ ्लूम ननधायण ननणाम कॊ ऩनी, र्पनतमोधगमं ो औय र्पनतस्ऩधी ताकतं ो की एक जहटर सयणी के अधीन होते ह ैं। जैसे जैसे उ्तऩाद अऩने जीिन चर्क के- भा्धमभ से आगे फढ़ता हैभ , ्लूम ननधायण सॊयचना सभम के साथ फदरती यहती है । नए उ्तऩाद के लरए भ्लूम ननधारयत कयते सभम एक फाज़ारयमा को मह तम कयना होगा कक ग ्ुणिता मा भ्लूम विचाय का ननधायण कयना है मा नहहॊ। उऩम ुक्त उदाहयण दे कय एक नमा उ्तऩाद रॉनच कयते सभम ककसी कॊ ऩनी के लरए उऩर्बध सॊबावित भ ्लूम ननधा यण यणनीनतमं ो का सझ्ुाि दं ।

.प्र.5 एक कॊ ऩनी हद्लरह-एनसीआय भ ेंिामु र्पदू षण की सभ्समा ऩय अ ॊकुश रगाने के लरए एमय प्मयूहपामय रॉनच कयने की मोजना फना यहह है । महद आऩको इस र्पणाी कॊ ऩनी के प्रभोशन भैनेजय के रूऩ भ ेंननम ुक्त ककमा जाता है तो आऩ कॊ , ननननमं ो केउद्देशमं ो को

StudentSuvidha.com
downloaded from

प्राप्त कयने के लरए ककस र्पभोशन-लभ्कस का सझ्ुझा दंगे?

.प्र.6 ग्राभीण ेतंों भं शहयह फाजायंो भं फेची जाने िरह भार्ता से कभ भार्ता भं नैके ज कयना कबी-कबी उन्नमोगी होता है । आन्न एक र्पभ खु एपएभसीजी को नृनी के भाक हेतो भैनेजय के रून्न भं कामि यत हंजो र्गाभीण उन्नबोक्ताओं के , लरए छोटे न्नाउच भं टभाटय के चन्न, श्ैमन्न औय तेर की नेशकश कयने की मोजना फना यहह है । पभि की सपरता के लरए उन्नम क्ुत ग्राभीण विन्नणन लभर्शण यणनीनत का स झ्ुझा दं ।

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com